कार्यक्रम

शनिवार, सितम्बर 17, 2022

प्रात: 11:00 से सायं 05:00 : **पंजीकरण**

सायं 06:00 से 08:00 : **उद्घाटन सत्र:** यौगिक कृषि - वैश्विक कृषि का प्रकाश स्तंभ

रविवार, सितम्बर 18, 2022

प्रात: 06:30 से 08:00 : **राजयोग शिविर:** स्वयं के अस्तित्व की वास्तविक पहचान

10:00 से 12:00 : **खुला सत्र :** सशक्त भारत की शान - आत्मनिर्भर किसान

12:00 से 01:00 : **प्रवचन-A:** मृदा स्वास्थ्य में गिरावट का कारण और निवारण

: **B :** गांव में हरियाली - जीवन में खुशहाली

सायं 04:30 से 06:30 : **खुला सत्र:** जलवायु परिवर्तन का निदान – यौगिक कृषि

सायं 06:30 से 07:30 : **शान्ति अनुभूति सत्र**

रात्रि 08:30 से 09:30 : **सांस्कृतिक कार्यक्रम**

सोमवार, सितम्बर 19, 2022

प्रात: 06:30 से 08:00 : **राजयोग शिविर:** परम सत्य की दिव्य पहचान

10:00 से 12:00 : **खुला सत्र :** भारतीय ऋषि-कृषि परंपरा में अध्यात्म एवं विज्ञान का समन्वय

12:00 से 01:00 : **प्रवचन :** पिताश्री ब्रह्मा बाबा का जीवन परिचय

सायं 04:00 से 05:30 : **खुला सत्र :** ग्रामीण महिलायें समृद्धि के दीप जलायें

05:30 से 07:30 : **समापन सत्र :** यौगिक कृषि द्वारा किसानों का आर्थिक, सामाजिक और मानसिक विकास

रात्रि 8:45 से 09:45 : **पैनल डिस्कशन**-Back to Basics-युवाओं के लिए प्रेरणा

मंगलवार, सितम्बर 20, 2022

प्रात: 06:30 से 08:00 : **राजयोग शिविर:** आध्यात्मिक शक्ति के स्रोत से सम्बन्ध

09:00 से सायं 05:00 : आबू दर्शन

बुधवार, सितम्बर 21, 2022

प्रात: 06:30 से 08:00 : **राजयोग शिविर:** राजयोग द्वारा गुणों एवं शक्तियों की प्राप्ति

09:00 : **एक सुनहरी सुबह के लिए प्रस्थान**

ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन के लिए स्थानीय ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र का संपर्क करें

Online Registration : accomabu.bkinfo.in

(Only through Brahma Kumaris Centres)

संपर्क : 7597546732, ईमेल: ruralwing@bkivv.org

राष्ट्रीय महासम्मेलन

यौगिक कृषि - वैश्विक कृषि का प्रकाश स्तंभ

दिनांक

17 से 21 सितम्बर, 2022

स्थान

शांतिवन, आबू रोड

आयोजक

कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग

राजयोग एज्युकेशन एण्ड रिसर्च फाउण्डेशन

तथा प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय

माउण्ट आबू, राजस्थान

आज़ादी का अमृत महोत्सव

भारतीय कृषि परम्परा ने पूरे विश्व के ऊपर अपनी प्रेरक और आदर्श विचारों की छाप छोड़ी है। ऐसी विचार धारा प्रचलित है कि भारत की धरती सोना उगलती थी क्योंकि इसकी उर्वरक शक्ति अद्भुत स्तर की थी। हर तरफ हरियाली एवं लहलहाती फसलों के कारण किसानों के जीवन में खुशहाली थी। भरपूर मात्रा में प्राकृतिक तथा गौसंपदा हुआ करती थी जिसके कारण किसानों की आर्थिक स्थिति बहुत मजबूत थी। विश्व बन्धुत्व भावना पर आधारित हर व्यक्ति की सोच, आचार-विचार, व्यवहार तथा बेहतर खान-पान के कारण सभी का जीवन स्वस्थ था। विज्ञान और आध्यात्म के अद्भुत समन्वय द्वारा सुख, शान्ति और समृद्धि से परिपूर्ण कृषि आधारित भारतीय जीवनशैली, सदियों से सम्पूर्ण विश्व के लिए आकर्षण का केन्द्र रही है। भारतीय कृषि हर प्रकार से सक्षम थी सम्भवत: जिसके कारण ही भारत को विश्व गुरु माना जाता था। हमारी ऋषि कृषि परम्परा को यौगिक कृषि पद्धति कहा जाता था।

विगत 50-60 वर्षों से प्रचलित रासायनिक कृषि के प्रादुर्भाव ने सदियों पुरानी, उत्कृष्ट भारतीय कृषि के ढांचे को बेहद कमजोर कर दिया है, जिसके पुनर्जीवित करने की आवश्यकता आज पुन: महसूस की जा रही है। जिस मूल्यनिष्ठ, अहिंसक, स्वस्थ, समृद्ध, शांति, प्रेम और सद्भावना से परिपूर्ण संसार की आवश्यकता आज है, उसका निर्माण भारतीय यौगिक कृषि के मूल में ही छिपा हुआ है। आज के वैश्विक परिवेश में भारतीय यौगिक कृषि पद्धति सम्पूर्ण विश्व के लिये एक प्रकाश स्तम्भ बन सकती है। यह पद्धति, प्राकृतिक विधि से अन्न उत्पन्न करने के साथ-साथ राजयोग के अभ्यास द्वारा मन को शुद्ध करते हुए स्वस्थ, सुखी, स्वर्णिम विश्व के निर्माण में सर्वथा समर्थ है। यौगिक कृषि का प्रकाश सारे विश्व में फैले, उस प्रकाश से ओत प्रोत होकर प्रकृति और पुरुष अपनी सम्पन्न स्थिति को पुन: प्राप्त करते हुये, एक स्वर्णिम विश्व का निर्माण करें, ऐसी हमारी शुभ कामना है।

प्रतिभागी :

इस कार्यक्रम में राज्य एवं केन्द्र सरकार के कृषि, ग्राम विकास, पंचायती राज, पशुपालन, वन, भूमि सुधार, सिंचाई, आदिवासी एवं उद्यान सम्बन्धित सभी अधिकारी, कृषि तथा ग्रामीण विकास में संलग्न जन प्रतिनिधि, कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपति, वैज्ञानिक, प्रोफेसर, ग्रामीण बैंकों के प्रबन्धक एवं गैर सरकारी संस्थाओं के प्रमुख, कृषक आदि ब्रह्माकुमारीज़ मुख्यालय से पूर्व अनुमति प्राप्त कर ऑनलाइन पंजीकरण कराने के उपरान्त सम्मिलित हो सकते हैं। ऑनलाइन पंजीकरण के लिए अपने नजदीकी ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र से सम्पर्क करें।

आयोजक संस्था :

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय का अन्तर्राष्ट्रीय मुख्यालय आबू पर्वत, राजस्थान, भारत में स्थित है। इसकी सहयोगी संस्था राजयोग एज्युकेशन एण्ड रिसर्च फाउण्डेशन के 20 प्रभाग है। जिसमें कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग, सम्पूर्ण ग्राम विकास के लिये सतत प्रयत्नशील है। यह संस्था संयुक्त राष्ट्र संघ के आर्थिक एवं सामाजिक परिषद (ECOSOC), यूनिसेफ (UNICEF) में सलाहकार सदस्य है तथा यूनेप (UNEP) में ऑब्जर्वर मेम्बर है एवं यूएनसीसीडी (UNCCD) में ऑब्जर्वर संस्था है। समाज के सभी स्तरों पर सकारात्मक बदलाव लाने के कार्य में इसकी विशेष भूमिका है। इस विश्व विख्यात गौरवशाली संस्था को संयुक्त राष्ट्र ने 6 शांतिदूत पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया है। ब्रह्माकुमारी संगठन खाद्य एवं कृषि संस्थान (FAO) द्वारा ग्रामीणों के लिए चलाई गयी एज्युकेशन फॉर रूरल पीपुल योजना (ERP) का सदस्य रही है। राजयोग के माध्यम से मानवता के लिए उत्कृष्ट योगदान हेतु इसे अनेक राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। वर्ष 1937 में स्थापित ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान विश्व भर के 140 देशों में स्थित अपनी हजारों शाखाओं के माध्यम से मानव कल्याण का कार्य कर रहा है।

आज़ादी के अमृत महोत्सव अंतर्गत नागपुर में आत्म निर्भर किसान अभियान का राष्ट्रीय स्तर पर उद्घाटन